रांची विश्वविद्यालय, रांची का 37वां दीक्षांत समारोह

(दिनांक- 15 मार्च, 2024(

मैं भारत माता के पावन चरणों को स्पर्श कर नमन करता हूँ।

1. मैं आज रांची विश्वविद्यालय, रांची के 37वें दीक्षांत समारोह में आप सबका हार्दिक स्वागत करता हूं। सर्वप्रथम, सभी डिग्री प्राप्तकर्ताओं को मेरी हार्दिक बधाई! आज का दिन आपके द्वारा किए गए अथक परिश्रम व समर्पण को दर्शाता है। मैं उन समर्पित शिक्षकों को भी बधाई देता हूं जिन्होंने आपकी इस यात्रा में बहुमूल्य मार्गदर्शन किया है, सभी अभिभावक भी अत्यंत बधाई के पात्र हैं जिनका अमूल्य सहयोग मिलता रहा है।

2. प्रिय विद्यार्थियों, जब आप अपने जीवन के अगले अध्याय में प्रवेश कर रहे हैं तो याद रखें कि सीखना एक आजीवन सतत प्रक्रिया है। सफलता के लिए कड़ी मेहनत, विनम्र एवं नए अवसरों को अपनाने की इच्छा शक्ति की आवश्यकता है। असफलता से घबराना नहीं है, बल्कि यह सीखने और बढ़ने का अवसर प्रदान करता है; हमारे पूर्व राष्ट्रपति एवं"मिसाइल मैन" भारत रत्न डॉ.जे.पी.ए . अब्दुल कलाम ने कहा था, 'अपनी पहली जीत के बाद आराम मत करो; असफल होने पर निरंतर सफलता के लिए प्रयास करते रहें।

3. विश्व में हम ज्ञान आधारित समाज में रह रहे हैं। मानव प्रगति और विकास के लिए ज्ञान का होना आवश्यक है। यह हमें व्यक्तिगत व पेशेगत दोनों ही स्तरों पर बदलाव लाने का अधिकार देता है। स्वामी विवेकानन्द जी के शब्दों को स्मरण करें, तो उन्होने कहा था कि व्यक्तियों के समग्र विकास हेतु शिक्षा के महत्व पर अत्यंत बल दिया था। उनका मानना था कि शिक्षा सभी के लिए सुलभ हो, चाहे उनकी सामाजिक स्थिति या पृष्ठभूमि कुछ भी हो। स्वामीजी ने एक ऐसी प्रणाली की बात कही जो व्यक्तियों को गरीबी और असमानता से मुक्त होने का अधिकार प्रदान करे।

4. एक विश्वविद्यालय किसी राष्ट्र के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके उन्हें सशक्त करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाता है। इतिहास मानव सभ्यताओं की प्रगति इस धारणा की पुष्टि करती है कि किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसकी शिक्षित आबादी की क्षमता पर निर्भर करती है। वैश्विक नेतृत्व की महत्वाकांक्षा रखने वाले राष्ट्र को ऐसे नागरिकों की आवश्यकता है जो बौद्धिक रूप से कुशाग्र, शारीरिक रूप से सशक्त, नैतिक रूप से ईमानदार तथा उनमें अपने संस्कृति के प्रति प्रेम हो एवं आध्यात्मिक रूप से सामंजस्यपूर्ण हों। विश्वविद्यालय राष्ट्र को एक समृद्ध और उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाने में विद्यार्थियों की प्रतिभा को विकसित करता है।

5. एक राष्ट्र के रूप में, भारत विश्व में सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों, दार्शनिकों, खगोलशास्त्रियों, गणितज्ञों, वैज्ञानिकों, भाषाविदों आदि हेतु जाना जाता है, जिन्होंने प्राचीन काल से ही जीवन के सभी क्षेत्रों में मानवता के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पूरा विश्व आज भारत को एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देख रहा है जिसमें मानव जाति की जीवन शैली को समृद्ध करने की जबरदस्त क्षमता है। आज दुनिया को योग की अहमियत पता है, भारत का यह अमूल्य उफार संपूर्ण विश्व को है। हुमारे पास उल्लेख करने के लिए कई उदाहरण हैं। भारत के पास दुनिया को बेहतर बनाने में योगदान देने के लिए और भी बहुत कुछ है।

6. रांची विश्वविद्यालय का गौरवशाली व समृद्ध इतिहास रहा है। इसने अतीत में कई विद्वानों को जन्म दिया है। मुझे आशा है कि विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अनवरत प्रदान करता रहेगा। आज डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी हमेशा हमारी समृद्ध बौद्धिक परंपरा से प्रेरणा लेते रहेंगे। हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की उल्लेखनीय पहल के साथ, हमारे देश के समक्ष राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पेश की गई है, जिसमें भारतीय ज्ञान प्रणाली के पुनरुद्धार पर जोर दिया गया है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में, 'विकासित भारत@2047' की लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

7. मेरे प्रिय विद्यार्थियों, आप सभी जानते हैं कि आज अनेक भारतीय विश्वभर के विभिन्न संगठनों में शीर्ष पदों पर कार्यरत हैं। सुंदर पिचई सीईओ), गूगल(, सत्या नडेला सीईओ), माइक्रोसॉफ्ट और कई अन्य लोग भारत (व विदेशों में युवा आइकन के रूप में कार्य कर रहे हैं। एक दिन, आप भी इन सफल सीईओ की तरह अपनी क्षमता साबित कर सकते हैं, उनके पदचिह्नों पर चलते हुए और जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रेरणा ले सकते हैं। समाज में परिवर्तन लाने के लिए युवा पीढ़ी सबसे सशक्त माध्यम है। हमारे पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न, डॉ.जे.पी.ए . अब्दुल कलाम ने कहा, "हम सभी में समान प्रतिभा नहीं है। लेकिन, हम सभी के पास अपनी प्रतिभा विकसित करने का समान अवसर है। मातृभूमि को विश्व का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र " बनाने का हमारा सपना आपके कंधों पर है।

8. मेरे प्रिय विद्यार्थियों, आप सभी को अपने देश की समृद्ध संस्कृति पर गर्व होना चाहिए। आप जहां भी जाएं अपनी सभ्यता और संस्कृति को याद रखें। अपने, अपने परिवार और समाज के लिए अच्छा करने का प्रयास करें। सुनिश्चित करें कि आपके प्रयास से वंचित पृष्ठभूमि के कम से कम एक बच्चे को शिक्षित हों। बहुत से लोग पैसा कमाते हैं, लेकिन ऐसे धन का क्या फायदा अगर इससे सिर्फ खुद को और अपने परिवार को ही खुशियां मिलें? ये दुनिया उनको याद रखती है जो दूसरों के लिए जीते हैं। मुझे आशा है कि आप समाज के प्रति अपनी सेवाओं के माध्यम से अपने मातृ संस्थान को गौरवान्वित करेंगे।

9. अंत में, हम सब एक हैं, इसलिए भारत को दुनिया का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के हमारे सपने को हासिल करने से कोई नहीं रोक सकता। हमारे परम आदरणीय माननीय प्रधानमंत्री एवं विश्व के दूरदर्शी नेता आज पहले ही विकसित भारत @2047 का लक्ष्य निर्धारित कर चुके हैं, और अब इस दृष्टि को वास्तविकता में बदलना हमारी जिम्मेदारी है। आपके सपने इस महान लक्ष्य के साथ जुड़े होने चाहिए। मुझे आशा है कि आपके सभी सपने सच होंगे। मेरा आशीर्वाद सदैव आप सभी के साथ है।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!